

## पार्टसिपिटरी नोट्स

पार्टसिपिटरी नोट्स (पी-नोट्स) के माध्यम से मई के अंत, 2022 तक भारतीय पूंजी बाज़ार में नविश घटकर 86,706 करोड़ रुपए रह गया है।

- हालाँकि अनुमानतः आने वाली 1-2 तमिहियों में वदिशी नविशक अपना बकिवाली का रुख बदलेंगे और देश के शेयरों में वापसी करेंगे।
- पी-नोट नविश में गरिावट के अनुरूप **वदिशी पोर्टफोलियो नविशकों (FPI)** के अंतरगत परसिंपत्तियाँ मई, 2022 के अंत में 50.74 ट्रिलियन रुपए (जो अप्रैल, 2022 के अंत में थी) से 5% घटकर 48.23 ट्रिलियन रुपए हो गईं।
  - FPI द्वारा **इक्विटी** से शुद्ध नकिसी का यह लगातार आठवाँ महीना था।

## पार्टसिपिटरी नोट्स:

- पी-नोट्स वदिशी नविशकों को पंजीकृत **वदिशी पोर्टफोलियो नविशकों (FPI)** द्वारा जारी किये गए **ऑफशोर डेरिवटिव इंस्ट्रुमेंट्स (ODI)** हैं जो सीधे खुद को पंजीकृत किये बिना भारतीय शेयर बाज़ारों का हसिसा बनना चाहते हैं।
  - पी-नोट्स में **भारतीय स्टॉक उनकी अंतरनहिति संपत्तिकाे रूप में होते हैं।**
  - FPI **अनविसी** हैं जो भारतीय प्रतभूतियों जैसे **शेयर, सरकारी बॉण्ड, कॉर्पोरेट बॉण्ड** आदि में नविश करते हैं।
- हालाँकि पी-नोट धारकों के लिये सरल पंजीकरण आवश्यकताएँ हैं, उन्हें **भारतीय सुरक्षा और वनिमिय बोर्ड (SEBI)** की उचित त्वरति प्रक्रिया से गुजरना होगा।

## पी-नोट्स में कमी के कारण:

- **मुद्रास्फीतिके स्तर में अनश्चितता:**
  - मुद्रास्फीतिके स्तर और अमेरिकी फेडरल रज़िर्व (Fed's) की काररवाइयों को लेकर अभी भी अनश्चितता बनी हुई है।
  - पी-नोट्स में गरिावट का श्रेय यूएस फेड द्वारा मौद्रिक नीतिकाे कड़ा करने के कारण को दिया जा रहा है जो मुद्रास्फीतिकाे नथित्वरति करने के लिये दरों में बढ़ोतरी कर रहा है।
    - ब्रिटन और यूरोज़ोन सहति अन्य केंद्रीय बैंक भी इसका अनुसरण कर रहे हैं।
- **मुद्रा/करेंसी में सुधार:**
  - करेंसी की स्थिति में काफी हद तक सुधार हुआ है।
    - एक सुधार एक मूल्य प्रतकिषेप है जसिे प्रत्येक प्रवृत्तिकाे आवेग के बाद देखा जा सकता है। सुधार होने के बाद, मूल्य अपनी प्रवृत्तिकाे वापस आ जाता है। वर्तमान समय में उपकरणों की अधिक बकिरी या अधिक खरीद के कारण मुद्रा बाज़ार में सुधार होता है।
    - इस कमी का एक बड़ा हसिसा इक्विटी और डेबिट पोर्टफोलियो में बाज़ार सुधार को लेकर है।

## भवषिय में पी-नोट्स के संबंघति उम्मीदें:

- इक्विटी बाज़ार इन स्तरों पर कुछ आकरषक कीमत प्रदान कर रहे हैं।
- आपूर्त-शृंखला और मुद्रास्फीतिके मुद्दों के आने वाले महीनों में कम होने की उम्मीद है।
- बाज़ार आमतौर पर आर्थिक चक्र से आगे बढ़ते हैं।
  - यह माना जाता है कि अगली एक/दो तमिहियों में FPI को भारतीय इक्विटी हेतु पूंजी आवंटति करने के लिये वापस लाना चाहिये।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सी बातें भारत में वदिशी प्रत्यक्ष नविश में समावषिट होंगी?

1. भारत में वदिशी कंपनियों की सहायक कंपनियों
2. भारतीय कम्पनियों में बहुसंख्यक वदिशी इक्विटी धारण
3. वदिशी कम्पनियों द्वारा अनन्य रूप से वतित-पेषति कंपनियों
4. पोर्टफोलियो नविश

## नमिन्लखिति कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिये:

- (a) 1, 2, 3 और 4
- (b) केवल 2 और 4
- (c) 1 और 3
- (d) केवल 1, 2, और 3

### उत्तर: (d)

- किसी वदिशी देश से वतित को शेयरों, संपत्तियों, स्वामित्व/प्रबंधन या सहयोग के रूप में नविश कथिया जा सकता है। इसके आधार पर वदिशी नविश को नमिन्लखिति रूप में वर्गीकृत कथिया गया है:
  - प्रत्यक्ष वदिशी नविश (FDI)
  - वदिशी पोर्टफोलियो नविश (FPI)
  - वदिशी संस्थागत नविश (FII)
- प्रत्यक्ष वदिशी नविश (FDI) किसी एक देश के फर्म या व्यक्तिद्वारा दूसरे देश में स्थिति व्यावसायिक हतियों में कथिया गया नविश है। आम तौर पर FDI तब होता है जब कोई नविशक वदिशी व्यापार संचालन स्थापति करता है या वदिशी व्यापार संपत्ति प्राप्त करता है, जिसमें स्वामित्व स्थापति करना या किसी वदिशी कंपनी में हति को नयित्त्रति करना शामिल है। FDI को पोर्टफोलियो नविश से अलग कथिया जाता है जिसमें एक नविशक केवल वदिश-आधारित कंपनियों की इक्वटी खरीदता है।
- FDI में शामिल है
  - एक वदिशी देश में एक सहायक या सहयोगी कंपनी खोलना। **अतः 1 सही है।**
  - एक मौजूदा वदिशी कंपनी में एक नयित्त्रति हति हासिल करना। **अतः 2 सही है।**
  - एक वदिशी कंपनी के साथ वलिय या संयुक्त उद्यम के माध्यम से। **अतः 3 सही है।**
- **वदिशी पोर्टफोलियो नविश (FPI)** वदिशी संस्थाओं और अनविशियों द्वारा भारतीय प्रतभूतियों में कथिया गया नविश है, जिसमें शेयर, सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड, परविरतनीय प्रतभूतियाँ, बुनयिदी ढाँचा प्रतभूतियाँ आदि शामिल हैं। ब्याज प्रवेश और नकिस के लचीलेपन के साथ, FDI से कम नविश पर भारत में एक नयित्त्रति हति सुनिश्चित करना है। **अतः 4 सही नहीं है।**

अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

स्रोत: इकनॉमिक टाइम्स

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/participatory-notes>